

Acco

50878

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ त्रि मी परम भव दभ्ये विरुडगव मे ठैरव भूँ विनिजते उ प मे म वि
 लये प प्लभे मः ॥ भभ पु भिमं विरुडगव म भि ठि ठ म् व ठ वी
 उ भ म भ ण क र भ ॥ १॥ ॥ ॐ श्री मे ह्यै मि डि म ह्यै र भ ॥ श्री ग भु ॥
 ॥ श्री ॥ ॐ म व द्भ भ न्न रै यं लि ए उ ॥ ॥ श्री भू उ व म ॥ वे म वे म इ भ ह्ये
 वे भू डि भि ड्भ भ व म ॥ भ वं भे वि मि उं मे व व द्भ भ न्न र व लि उ भ ॥ श्री
 रं सु र उ व म ॥ म गी रै पु ष भं ह्म इ ण उ भ भं भं सु ठ भ ॥ प स्र ह्म स्त्री उ य
 गी रै यै गै प क र रि म ॥ प्र ग कं क भू कं मे व र म कं म उ वे व म ॥ ए उ

॥ श्री ॥
 ॥ व ॥ ॥ ॥
 ॥ ५ ॥

50879

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मरीरभाभुनभभुवत्रिदियेगिनभा॥ नरुययैवनगुक्कीइरपदुए
 भेवम॥ एउभभुभिउं वडु कवडुउ रिमइउ॥ उभइचप्रयडेनणउभा
 भुहुलंलकेउ॥ हइइरनिपइमभापपइउवैवम॥ वभउपरभाइवै
 यमिमकेपिवेमिउभा॥ नरुइरलिमइउरवनकीविरेणवेउ॥ भंइ
 इनवरयंमुइइइउरुवमयउ॥ उभपइभुवैरलंपिइलरादिम
 मूउ॥ उयप्रेउभुययैमुइइमालिग॥ उव॥ प्रणनरुयभिमभु
 लवुवेययउभा॥ उभभाएउवैइकउं इइइयमपरभा॥ उभभ

५५:

वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ तं विमिष्य भद्रमेव उच्यते ॥
भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥ कश्चिद्भूतं भूतं उच्यते ॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥
पुनश्च भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
यौक्तं दत्तं दत्तं दत्तं भवेत्तयम् ॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥
श्रीगणेशाय नमः ॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥
भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥
भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम् ॥

श्री
वर
पं.

तउडेवृद्ध भवुं वृद्ध सुगे ~ येठवेउ ॥ मभक्त भव सुत्वे ह भव सुवे
द्वलिकल यरा ॥ उडु विक लेउ सुमे वि मिउं वृद्ध ~ लयभा ॥ भवैली
नेपगेवृद्ध उडु सुप गभ मगी ॥ वृद्ध र दिंवृद्ध व ये वृद्ध सु गं ये लठउ
वृद्ध ~ उमभउ वृद्ध ह गल ये दउ भा ॥ पू ~ वं ह द्रि उं प मं पू ~ वं ह
प्रि मं भि उ भा ॥ कल गिरु पद उं य व सुद्ध उ गे मग भा ॥ म चं म धं प
नेल मं पू ~ वे ~ मि पि प्र ण ॥ व द्ध ये म क लं य सु इ ले हं म ग ग ग भा
वृद्ध मि भु भ पद उं म चं पू ~ व म भ व भा ॥ उ मि त्रे व ल ये क र उं म वे वृद्ध

वमिनः॥ भावपरमं भूतं भावपरमं कर्म॥ इहं सदिगं त्रिंदिभू
 तं दिगुः प्रकृमा॥ दिमेव गिड्यं मेव दिमेव परमं भूतमा॥ पल्लभ
 डिगं मेव मिदं परमं कर्म॥ प्रवृत्तुं मेव इयमि मन्त्रे विवेदि
 तमा॥ मेवमं नवमिभूतं गन्तव्यं गन्तव्यमा॥ भवेधं प्रवृत्तं येनिलुये
 उदैवधमं॥ ए॥ वृद्धविष्णुसुतं सुगं सुगं विवदपरम॥ प्रवृत्तं उदै
 मिभूतं भूतः प्रवेरड॥ सद्गं सद्गं मेव भनं भनं भवन्ति तमा॥ मं
 कपं कपदि तं प्रवृत्तं परिपटते॥ उच्चवं उच्चं उच्चं भनं भनं भवम

श्री
 वृ म
 ५०

५६ ५६

ॐ धं गै व ह ॐ धं स पू ~ वं पर म कि प ग ॥ म म त्रुं म ह म त्रुं म ग ह म ग
ह मे व स ॥ ग ह ग द क ठे मे र पू ~ वं म च उः भि उ भा ॥ पू ~ वं ये र ए र डि ॥
वि ष्ट य उ नं पर भा ॥ उ म् मे हं वु उ र ह क ल्प के टि म उ र धि ॥ ग ग ग
उ डि मी व ह म त्रुं उ डू डि प ए लः पू ष म ॥ ॥ क म उ र म ॥ ॥ च ह पि
भं म ये मे व ह म ये व उ उ म द न ॥ क भि सु र भि उ व ह उ डू म ग ह मे ध
ठे ॥ ग ॥ मी रं म र उ र म ॥ ॥ म व इ व भि उ व ह पू लि नं मे द प र कः ॥
वि मे ध उ प्रै र व डू डि ष्ट म् रेष भं भि उः ॥ ह डू ह र नि प म् उ म् पा प म्

स्री
रु भ
पु ३

उषैवम॥ भप्रहृदं नृ सुते वै विकर वभि उ प्रै कः॥ द भउ नृ मउ मेव न
उउ ग यउ उष॥ उ लउ लि प्पुउ मेव म न व ह भिदे उउ॥ उ मे वे म
निभे वे म विषा मे मेव द द्विउ भाप नृ त्व उ मे वे डि मी उं पु भ म न
निम॥ कृ दु लू भै ष रं रि म् प्र रं णं ए ग उः भि उ भा॥ म उ पु उ क उ य भृ नृ
सु ते वै ष न न॥ न उ मी पं भृ क पे ~ प र भ म म ल ह उ॥ क म उ व म
वि भ यै मे भ द मे व म सु पि र रि व उ उ॥ दि भृ न व भि उं मे वं मू उ भि
क भि वै प्र न॥ ॥ ॥ श्री रं म उ व म॥ ॥ ॥ उ भू द भ म उ उ प इ य इ य प सु उ

हृदभा॥ डिभ्ररवभिउं वदु उकु र भयष उमभा॥ हृदुदेवभउति
इं भिगुरुवेनवेगुद॥ भापपदेर निपदेग उग उिक रै डिमः॥ हृदुदु
भृडपइलि र रुयभु प्रैकी डिउः॥ प्र॥ हृवयव भुचेवद उउे धर
दिष॥ न रुयेवेम म प्रैऊ पैंवन रिउवेम म॥ प्र॥ न पिङ्गल सुट म एउ
पयरे दुभः॥ न डिम रू भुमवभुन निकुउं हवभिउभा॥ न डिम रू भु
नैउ सु डिङ्गल भएउे हव॥ उद मेव भव भु म पिङ्गल म इतीयक
एक कयं म भव भं यकि ठेपे प रुषक॥ उद वद डिव भनउ इमे

ਮੇਰੁ ਬਖਿਤੁ ॥ ਮਖਲੁ ਮਹਿਲੁ ਪਤੁਤੁ ਮਦੋਰੁ ਬਖਿਤੁ ॥ ਪਿਤਲੁ ਮਧੁ
 ਸੀਤੁਤੁ ਮਵੰਮੁ ਮਖਿਤੁ ਮਾ ॥ ਭਰੁ ਮਧੋ ਮਖਿਤੁ ਮੇਵੰ ਪਿਤਲੁ ਮਾ ॥ ਰਿਕੁ ਬੁਭੁ ॥ ਮ
 ਖਲੁ ਬਖਿਤੁ ਪਤੁਤੁ ਮੇਵੰ ਰਿਕੁ ਬੁਭੁ ॥ ਮਧੁ ਮਾ ਪਿਤਲੁ ਮਾ ਸੀਤੁਤੁ ਮੁੰ ਮੇਰੁ
 ਮਾਨੁ ਮਾ ॥ ਮਵੰ ਮੁੰ ॥ ਯੋਗੀ ਮੁੰ ਮੇਰੁ ਮਾਨੁ ਪਤੁਤੁ ॥ ਕਲਿਕੁਤੁ ਮਖਿਤੁ ਮੇ
 ਵੰ ਮੁੰ ਕੁਪੁਤਲਿਤੁ ਮਾ ॥ ਭਰੁ ਮੁੰ ਰਿਕੁ ਮੁੰ ਵੇਵੰ ਪੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ
 ਪੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਪਿਤਲੁ ਮਾ ਮੁੰ ਮੁੰ ॥ ਤੁਧੁ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ
 ਮੁੰ ॥ ਤੁਧੁ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ ॥ ਪਿਤਲੁ ਮਧੁ ਮੁੰ ਮੁੰ ਮੁੰ

ਸ੍ਰੀ
 ਮੁੰ
 ੫੭

[illegible]

श्री
इ. म.
५५

भा'पभा'पभदप्रएयैगयैगेसरेसरा॥यइयमैमिउंप्रमंमचिह्लेयंभ
गैपि॥मवृद्ध॥नभदे॥नमदे॥नविह्वर॥उमेवृद्धयमैवयमदृ
परिपि॥किउभा॥उडेदंकंषयिष्टमिगुहसुहउगंपरभा॥विह्वपवम
नंगहोकर॥गउवृद्ध॥ग॥गएभइवीवरहोयंनमेयंयभृकभृमिउ
मगीहिउंनगउवृभमृकुयभनलवे॥मृकुलेरुगहमयेमल्लरेमन
पयेउ॥उउंमीहिउंप्रउगुरुदेवप्रिप्रणके॥मृदुणनैलिउंनैल
भेदपरगदप॥पगीहिउंगुरुविष्टभमृविह्वममनिवे॥मृनेरठविउंन

ਸ੍ਰੋ ਮਥੇ ਮੇਰਾ ਸਾਧਾ ॥ ਭੁਕਤੁ ਰਾਮਾ ॥ ਗ ॥ ਸ੍ਰੋ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ
 ਮਠ ਲੇਣਾ ਮੇਰਾ ॥ ਸ੍ਰੋ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਮਠ ਲੇਣਾ ਭੁਕਤੁ
 ਵੈਦ ਭੁਕਤੁ ਭੁਕਤੁ ਭੁਕਤੁ ਭੁਕਤੁ ॥ ਮਠ ਲੇਣਾ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ
 ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ
 ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥
 ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥
 ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥
 ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥
 ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥
 ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥ ਭੁਕਤੁ ਮੇਰਾ ਮਠ ਲੇਣਾ ॥ ਗ ॥

श्री-
वृम
५५

रमगीरभुं विमगयेग॥यं ह्युहप्रपुते भेहोयेरहुयेरएयउ॥ग॥स्रीभु
रुउव'म॥॥॥ ह्युउभिक्कभुदं मेवउमय'भुभयंकषभा॥मदर'इंरुते
मेवभहुतिविषरहुयभा॥ग॥स्रीगंमगउव'म॥॥मडिप्रियोपिभेप्रडप
कभेमैरुनंभउ॥यहुय'मैमिउं प्रप्रभराएकषय'भिउ॥ग॥य'मैय'उं
मैरुमिभुं उंभरन॥उभुमज्जिहुवेमेभउमय'भुभनंप्रडि॥रु
भुभ'नयम'हल'वउतेउभुतेएभ॥उमयंउंविएनीय'द्विव'रुवडिरे
मम॥यम'ग'हल'यंकुय'भुभिंभुए'द्विपिप्रण॥उम'भुभन'भिहुउं॥

श्री.
वृ. म.
५०

उत्तरदिभुकष्टे॥ उद्ययभुभनंरुद्रमेदभुंउंमंरंरुमभा॥ प्र॥ य॥ य॥ न॥ उ॥
य॥ भ॥ भ॥ द॥ क॥ प॥ मं॥ भि॥ उ॥ उ॥ भ॥ य॥ मि॥ ने॥ प्र॥ ल॥ य॥ प॥ ने॥ भु॥ द॥ उ॥ नि॥ मि॥ अ॥ य॥
न॥ व॥ द॥ मं॥ भ॥ भि॥ उ॥ य॥ व॥ ठ॥ व॥ उ॥ उ॥ भु॥ ग॥ प्र॥ य॥ य॥ न॥ भि॥ उ॥ र॥ द॥ य॥ व॥ द॥ मि॥ भ॥
भि॥ उ॥ प्र॥ य॥ द॥ क॥ प॥ द॥ उ॥ व॥ ग॥ उ॥ र॥ ग॥ भ॥ ने॥ भि॥ उ॥ अ॥ उ॥ च॥ द्री॥ उ॥ ठ॥ उ॥ म॥ य॥ गं॥ उ॥
ध॥ उ॥ रि॥ द॥ ल॥ भ॥ ग॥ म॥ क॥ द॥ भि॥ उ॥ प्र॥ ल॥ भ॥ प॥ ने॥ प्र॥ ग॥ के॥ भि॥ उ॥ भ॥ क॥ भ॥ व॥
उ॥ व॥ द॥ य॥ ने॥ मं॥ प्र॥ गि॥ उ॥ ए॥ ग॥ उ॥ य॥ म॥ व॥ द॥ भि॥ उ॥ प्र॥ ल॥ भु॥ म॥ मि॥ व॥ भ॥ उ॥ द॥ उ॥ अ॥
प॥ ने॥ क॥ द्धि॥ उ॥ प्र॥ ल॥ द॥ मि॥ भि॥ र॥ दि॥ न॥ द॥ अ॥ अ॥ द॥ र॥ उ॥ उ॥ व॥ द॥ व॥ य॥ गि॥ नं॥ उ॥ मि॥

पिप्रण॥ पद्म सुयेंतर्मेभमठडभंरुद्रभुष॥ योगिनंदेधवेभानंपांगम
द्रुभभंवरभा॥ भंरुडीद्रुममेवैतेविधुवद्रुयभेवम॥ गुरुंमचुभ्रद
हुंकलंकलेमयंतप॥ योगिनंदुमगीरेगडिगधधरुन॥ उधंप्रहृद
विह्वरभयंरुद्रभुकभूमिग॥ उभ्रद्रुचप्रयुत्रेभभवषयोगमहुमेत॥
भंरुद्रभुयोगीयः प्रहयंभधिकलित॥ एकैकभुडवैभयेमयरेड
कवडिमा॥ एतंरुद्रुडविह्वरंभिकुडेहृद्रुवेगिरभा॥ मप्रनःभिकुडेव
द्रुपमुण्डेभंमिड॥ भंरुएनंरुषपएणपंदेभंमपद्रुभभा॥ भं

श्री.
३ म
५१

प्रलभिवभउहुं यैगन यैग विहुम ॥ ग ॥ ॥ उ डि सी वृद्ध भउये अर्दे
ग इ विम रै भउ उी यः प ए लः ॥ ग ॥ ग ॥ अक रु उ व म ॥ ॥ वि मि उं उ म
द ल्लु रं वि मि उं उ प गं प म भा ॥ वि मि उं मे प म म जि वि मि उं प म म ह र भा
वि ह पि ल्लु उ मि क भिव भु उ य वि रि ल य भा ॥ अ ग्री धि मे क वं मे व वि
ध वे म क वं भि उ ॥ ग ॥ श्री गं म उ व म ॥ ॥ उ प मे म भि मं प उ र द भुं म म
ग म ॥ भ व ग म वि ण रै यं ल्लु रं उ क व य भु द भा ॥ अ ग्री धि मे क वं मे व वि
हं म म ग म भा ॥ उ हं वै भ व नि प रं यै ह प भु म ए म ह र भा ॥ म उ विं स

उत्तुहृपिपमधपैल्लविंसकः॥ पगे लेव विठऊ ये षउम सिहृधःआप
तउदेऊ सुगीरेंयमेउ द्विद्विद्विभभा॥ अरठगभिउभ्रदस्रवठ।
गेभिउसुमी॥ अरठगेभिउं वृद्ध यइउं इमभा सिउं॥ ग॥ कःउवम
कभिठगभिउभ्रदकभिठगेभिउः ममी॥ कभिठगेभिउं वृद्धउ
इ॥ गःसदुग॥ ग॥ श्रीरं सुउवम॥ ग॥ नःकीमं मयप्रेऊं उवप्रचंधम
न॥ उं मंमप्रेइयैवइरः मं प्रकीडिउः॥ उरुमैवमधःकमपिइ
नमइतीविक॥ मंमः अदः पं वृद्धाउ मइधमंभिउं॥ मधः

श्री
वृ
भ
५३

मद्विल्लवडुउडभदभमभित्तः॥ उडवदडिवभनउडभभित्तवभित्तः
उठहंपिडलभएउडवदभनउड॥ प्र॥ प॥ प॥ प॥ प॥ प॥ प॥ प॥ प॥ प॥ प॥
भित्तः॥ कडकडयभभित्तवपणभित्तवमगलुडि॥ ग॥ उडिवदभनउडभ
ग्रीधभविमगैभभगडुःपएलः॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥
मूठेमेवयषउडभविभुगभा॥ अपरमूडभित्तभिविधवंप्रच॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥ ग॥
ग्रीरंमगउडभ॥ म॥
मूठेभवंभभभुगडिरगडिभा॥ एउभभुविमिडुडमग्रीरंप्रचममिडुडभ
यैलि

भुञ्जेव यमिव भुञ्जुमिव यमिव सुमिः॥ भुञ्जेदियञ्जुमि कुरु उमये
मे भमभुभम॥ वृद्धं हं भमभुद सुद्धं रं मेणये सुणः॥ परगेव उतेव प्र
रकं भं प्रययेग॥ रव हं गलि भदु हं ऊ भुके पू वे उ॥ उभिदुने
हवे पश्य पुतेग दिम उभा॥ उं लहुरे मये हं परभा हं येणयेग॥ मेव य
न पुन हं पिदय नं उवेव म॥ अदं रं भं कुरु धरु कुरु एभे नउ॥ वृ
द्धं रं भमभुमिदु वृद्धं वृद्धं लियेणयेग॥ एवं वे विषवं पूं भुभुक्त
लेयणे कुरु॥ अदं हं कुरु उतेव उ कल्य के टिम धप॥ मेव य नं नवे

श्री.
५७

निहं मेव कम् उक्तं यत् ॥ पिशु यत्ने उक्तं यत्ने पिशु कदं रिमे धृत् ॥ भष्ट
भष्ट द्वा यत्ने मत्ने यिप्र एय द्वा ॥ ज्ञा विद्रि उयं र ह् विभ्र रं प्र च मे
मिठभा ॥ उइ निहं एद उ ह् म प ने न उ यं ग रिग ॥ अने न उ दि उ ह् विद्र
हं व द्वा विवे गु द्वा ॥ उने न उ विवे मे व द्वा ह् म् न ग मि नः ॥ भ च य ए
वे व द्वा अने न वि वि न्द्र उ भा ॥ उने यि प्र भा ए म् न मि वि मे म् न वि मे ॥
पु ॥ विद्रि उ ह् ए द्वा यत्ने वे प्र वे न उ ॥ ए द्वा यत्ने उ व ए न म् न उ म्
न उ म् भा ॥ म् न उ प न व द्वा उ म् न प ए म् न उ म् ॥ पु ॥ विद्रि उ म् न उ वि द्वा

यद्वा वेरुड॥ मडङ्ग मूमभंभु येयउय भंमिउवुड॥ प्र॥ प्रिदंइंऊचति
 विणनेरभुड॥ मेरमेरदयमेवउष भिङ्गुभददयः॥ अनेनैरविणनेरप्र
 वंउययतिवे॥ ग॥ उतिवुङ्गभङ्गनेप्र॥ प्रिदंइयल्ल विमगेरभपल्लम
 ऐलः॥ ग॥ भुङ्गउवम॥॥ मङ्गुपिभंसयेमेरवुङ्गल्लनेभभप्रु॥ मप्र
 नल्लउ भिङ्गुभिमङ्गुतीगुद॥ मप्र॥ श्रीगंमगउवम॥॥ मदभुंय
 गंभुगुल्लमगंमगउमभ॥ उडेदंकषयिष्टमियेरभिङ्गु तियेगिन
 भंवरुगभुवेमए मयरेकेप्रकीडिगे॥ उडङ्गममङ्गुतिगुद॥ ममिपिपु

भिष्टति॥विषवेरउकउवृवठेउयेगिनिभम॥प्रकंककभकमेवगमकं
 मद्रुगीयकभा॥पूवेरउवेऊदउयेयेवंधमन॥इगुल्लहगमेवइभ
 इइभंभिकुतभा॥उड्डयभमएयंवेमइयभमपिम॥वेमइयभमभेवे
 लेकइयभयेपिम॥कुकुवभुगिडिल्लयभग्रयभुयपरम॥पमइयंडिन
 मिंसडिगडिंपगभमगभा॥कुलेभ्रं पगंमेवपूवंपगिपट्टे॥उमइम
 वमगल्लपूपड्डेउधमन॥॥॥॥उडिबुद्धभक्तवैभ्रदभेपगगनि
 ल्लयेरभमपुमयेएलः॥॥॥॥भक्तउवम॥॥॥अपरवैडमिक्तमिक्त

श्री.
 वृ.भ.
 ७०

मतेक धामि उभा ॥ मरीर भुंभय सुतं यष वद्व हवभि उभा ॥ ग ॥ श्रीरं सग उ
 दम ॥ ग ॥ रुल्लुहं यं भदभे रस प्रहृद भष पिम ॥ अरभ नेन वै उ ड्यमे उ रु पि
 कृभि ॥ रुहुं भंर किहुं भं मरु म मते रु डीय कभा ॥ पते ध वि मते वरु पं वरु
 भं मिति उभा ॥ रुहु क मभि उं रिहुं पं वरु ध र ॥ उभि रु रेभि उं रुहु म
 पं वरु भं उ ये उ ॥ म कि भं रु म य भं मर भं भं उ वै रम ॥ भक लं वै भ विह्य
 भुम भं रु रु ॥ मेदं रु रु य म क ले ल यं दि ग रु उ गु द ॥ रि क लं उ उ म रु
 य भ भं रु यं उ वै रम ॥ य व रु भं उ र भु य भ क मं र रु ण भि उ भा ॥ प ए रु य रु वै र

श्री.
वृ. म.
७३

कमभह्येयंतमरवेत॥राहमंभुभुतइभुमभुकेतभुलेमने॥उभिहलीरेक
मवइभमसंतंतमरवेत॥मेदंइइयमकलेलयंगभुइवेगुद॥उइभम
भतंवइपीइउविमतेहमि॥उनणीवतिणीवैभैयषेवहूँरद्रयते॥नपर
इममतेयंछत्रठैरभिकैमरे॥उभइभचतेवइरदिवभुवकलर॥भुत
भरंनवेतभुनइऊपंनलह॥भा॥वद्युयिकुतगदिउंयेनेमंणरतेणभुत॥वि
डीणंवैपंरुद्रहइदहउगेभितभा॥पकेठवेनवैपंभुइभुजभुनर॥
वृद्धमिभुभपदतंभवेवृद्धलयंविदः॥सैणीठवेनकुतहभहृषवेवभसुते॥

उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥
उत्तिष्ठन् ध्यातुं नमो भगवते विष्णवे नमः ॥ ५ ॥

[illegible]

श्री.
वृ. म.
८७

मा ॥ ३ ॥ उ वि उ दं इ य व ऊ ठ जि ठे मे रे क मः ॥ भ चं इ वि भ य मे जं ऊ य रे
 डिं व म भि उ ॥ य म रे जं प रं व द्म म न उ क म दे उ क म ॥ म न उ क वि उ य म
 उ म म उ र वि ह उ ॥ उ म उ म भि उं मे रं मि वं प र भ क र ॥ म ॥ य म म उ म म
 उ त्र भ द ऊ उ वि पि स ए ॥ य ह पु भ पि लं वि स उ द्म म पि गे म र म ॥ ग
 म जि भं व लि उ ह उ म भिं उ व डि भ व उ ॥ भं द रं ऊ य ऊ उ रं मि क्क ह र दि
 उ न वे उ ॥ सु क म प्पे ष भं उ व उ म्पे उ त्र वि पि स ए ॥ नि र व र ऊ उं म उ म्पे
 म्पे उ म्पे उ म ॥ उ उ म्पे प र व उं म व ऊ उ ग उ म्पे म ॥ सु ह य कं म उं उं

श्री.
रुम
०५

मद्यः मद्यमुषकपुंउमुकपमुमभवमा॥मपवयैरिपियमेहभउदे
 रभंभितः॥तेनभउदिउमचेगीएगैदितिमजिवग॥गीएकुउंउमचेपं॥
 यैरिउउंउंभउमा॥मभयननंमचेपंरभकपे॥भंभितमा॥मभयनंय
 रंहेउकपवमिपिवदरा॥पर्येभउंउउकुकुमभउदेरभंभितमा॥तेनक
 पुतिमउेरपिउमेवंसुभवम॥मकपमुमकुउमुमदरकीडिउगुः॥
 मकमद्यमुषकपुंमगभसुवरभयनमा॥रभेकवउपविषीभवकभकल
 पुम॥भवगउभयवदुभवकैगपुमभम॥मभनिरकरि॥
 ॥॥

श्री.
वृ. भ.

सुगम यरभा॥ भिहृयेधेपगप्रेजभेभिहृपविहीउरभा॥ अरंयपुम
दंहुउउयत्रसुजिगेमिउ॥ पसीपपुगुपुपुययमगत्रपिकउभ
उतिवृदभत्रनेहुउइतिविमगनिलयेरभेइममपैएल॥॥॥ भूम
उवमा॥॥॥ भसिहृभंभयल्लउंहुउरंइमत्रगदग॥ हृयेविहृउभिहृभि
पूलयंउधकीरुमभा॥॥ श्रीरंमुगउवमा॥॥ प्रचभेवहृयवइकविउं
हुयभंभय॥ अपरमलयंउधंयषठवतिउहु॥॥ मउनु॥॥ ठवेमेध
पविहीमलयंगउ॥ इगुं॥ हुयउंएवैपविहीलरुयेहुद॥ इगुं॥ व

यक्रुयेव पविष्ट प रलक्षयेत् ॥ पविष्ट प भुषते एव यक्रुते म ड भूय न

सुकमैतगताभ्रजैलयीकुतस्त्रिपिप्पल॥यभृमीयतिउभवेयैगितुहु

रमितकः॥ वद्रेचुविष्णुप्रभापभ्रमेवभ्रगकित्रगः॥ नगविष्णुपगयक

सप्तमोऽङ्कः पञ्चमः॥ कृतं भिक्षु सूर्ये गिरि तटपथे मन्त्रधरा भूषणः॥ अष्टौ उच्ये

गिरभ्रवेवद्रुल्लरगुतसुभा॥३॥पियत्रिपरंभुनभनचंसक्तिमभुवभा॥

लिङ्गकुण्डलसकमेष्टिवीतभृपीठिक॥ भवकुलसंयभृडभलि

इन्द्रसुते॥ अलिङ्गलिङ्गकपे॥ अरु कुरु कुरु गे सरभा॥ अक संभभह

... ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

धरुवर॥ सुकुटंभचमवइलैहंभमममभा॥ वदमिभुभपदतुंभवं
 सुकुटेन॥ गितभा॥ उकुटंभपगितमकु सुकुटय सिर्वेइय॥ यषमैउटक
 वेरवैपितं कुवरइयभा॥ वभसुकुटंउउकुटंभसुसुसुकुटं॥ उं सुकुटं
 नकुपे॥ एयं सुकुटंउउकु॥ एय सुकुटं पल विहं निगलभुवरवैपनभा॥ न
 धरु सुकुटकवभुसुकुटेभिंभुइउः भउ॥ उभेकुउं एगइचंप्रचभभीकिपि
 मण॥ मधुअदेइवरेपेनदरइउगके॥ अपउकुभविह्लेयंमिमभवि
 निमभम॥ नमिइवैपउं नभदकुउं भुवलितभा॥ वकिंरमुसुतेयइमव

द॥ कलिक वभिउं वडु भवलेक थिउ भदभा॥ भ एउ भव कुउ निम
गलि दम ॥ मउ म प्र ए प उि च डु वि स क उ भ द स्रग॥ मउ म्पां मउ डु
द्रं मउ म्पां प डु भा॥ भद के एि प्र डी क संक ल्द उ गि भ भ प्र ठ भा॥ ॥
उ न उ ए व रु भे न रु नि उ ॥ न ड्य भा॥ ए जी कु उं उ म व डु मि मे भू ग ग न दि
ति॥ ति डि कु उं भि उं प सं भे न रु उ दि क लिक॥ मल' पू कं मि म स्र' भू व डु
प डु भू प डु मउ डु म वि पं व डु कु उ भ जं म र म र भा॥ भ चं प' व भ भु उं
मि डु कु मे उ न रु व भा॥ ल गिन रु प द उं मि डु कु डु र भ भु व भा॥ उ स्र प

श्री
वृ
म
१०

मृभिः उंचरु मभ उंमणिमपुगभा॥ उंरु सु उ मयं वृद्रा विमि उं हउर
इर उम उं मुं मि उ वृद्रि देग म ह म नं प्र उि॥ वेन ये गं मभ ह मु वि व य उ म
द म क भा॥ उ म ये ग द ल व पि वि मि क उा पु वे ह उ म॥ उ न म य मि उं
म चं वि सुं दि म म ग म ग भा॥ वृद्रा मि मु म प र उ व क ल मि ग म ग भा॥
उ म म क ग क उ नि म वे वृद्रा म य गु द म चं मा प ति मं वृद्रा म उं उं वृद्रा व
मि न भा॥ हृ इ क उ दि उं वृद्रा ये मि उ सु ह म म क वः॥ म वे दं म व क उ नं प्र
वं ये नि म जि प ग॥ उ म म क उ म म म व म मं प्र व य नि व॥ प्र वे न क वं

ॐ मिष्टकृतं गमविठभा॥ उभिन्मष्टमभञ्जः पद्मयैविभुसष्टते॥ ५
ॐ वंयैना रतिविठनामेष्टमभिउभा॥ भाइवभाइमंयजंतेनवद्विर्म
विष्टः॥ ॐ पु॥ वंभचमगुदनमउतुगमंभंउपगंवद्वम
गउनभ॥ ॐ भिन्नेवल्ल ॥ ॐ नैवंवद्वरामिनः॥ सिवउगमभकुउपगं
वद्वमिपिप्रणउैल्लुउभमउंउेधमल्लनंमविषंठवेउ ॥ अरभइलिपचंमं
उंभंमकेएिंमकभा॥ ॐ भूपिलकभेष्टंमैयैएनतिभवद्वविता॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ विवद्वमभउैर्यैमं पएलः॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ भुक्तुवम॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ वद्वद्वद्व

श्री.
वृ. म.
१०

ॐ शुद्धिं भयं लुप्तं भयं सूतं भा॥ अथ परं सूतं भिच्छु भिभीं भं सैव भभ
वभा॥ श्रीं सुगंतं वमा॥ ग॥ यद्दुयं मेदिउं प्रसं रुविष्टेयं भरोयं पिउं दुदं क
षयिष्टु भिरदं प्रप्रप्रचकभा॥ योगं भं रुभितं यैरिग
उपसु भभदडीलं रुकं गं रुउं पभभा॥ उगं भं रुगवा॥ सुवपैगभक
रः॥ परं रुद्रमिवं ल्लेयं पं भुनभनभयभा॥ परं परमिवं रुद्रं भवेधं प
रुतः भितभा॥ उरुतं पुनमेवेन मिच्छुं मेउरं गुद॥ गच्छं रुद्रं पनं उं भ
भिभं पुच्छकरं भा॥ सुगणितं रुद्रं उरु रुद्रं पनं भयं रुद्रं॥ मिच्छुं रुद्रं मि

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

श्री.
व. म.
१३

दुमिहृदगरकक रं परभा॥ सुत्रं उं उ वि ए री य म भ र हं क र ति मः॥ भ धि
कृपे म भु र म भ र हं व व भि उ म॥ दे व र म भ र हं स भ र हं रै व क लि उ म॥
म उ म म वि णि च कृ उ म जं म र म र म॥ अ गे ण र कृ कं म दं न भुं व दं मि नि नु
द व दं उ ए भ म भ र व ग्री धे भे मि पि स ए॥ उ म र ए भु री ए उ म व दं उ रि
कृ क भा॥ प वं म च म भ र भः भ व री ए भ मं भि उः॥ म री गं भ धि दे हं उं वि सु
कु म उ र कृ क भा॥ य व दं गे री ए नं व गे र कृ उ र भि उः॥ उ व र च भ कृ उ प
मि कृ कु म उ मं भि उ म॥ ग॥ ग॥ उ ति व दं म भ र म उ म मः प ए लः॥ ०५॥

श्री.
वृ. म.
१७

ह्रमजिमोमिडे॥योरिङ्गभवेपभेर निपमंभिउं गुद॥यमविकभिउं
पमंरडकलभुमठवेउ॥गणपूरउतेहभंदिभविउधेइम॥रडकले
उउरुमंभपेभानभापंठवेउ॥उभित्रीएंगमविउभउकलेमिपिप्र
णउमउमूदउगीणभट्टषडधरैदिउभा॥पंनेकूठवेउंभःभियेकूठ
ठवेडियः॥भभेरपंभकंल्लयमपिठेनैवकिप्र॥यग्रेपभरयग्रेभूष
उकलेनपंभकम॥रडकलेहडिउउकयपेमंभंठवेउ॥उभृमंष्टिभि
उवडुपिडलमंभउंठवे॥भरमयडिभवेधं॥डिकलेमिपिप्रण॥

सयतेपमधमेरभरुयतिभवम॥ उरुं मभयैगेरउमगीणपूरेदति॥
 पगपूरेमभेउतिमभरुंयवेकवेउ॥ उमपइसुपेइसुपूरेइसुवरभंसय॥
 एउवेगेइभउरमभरुंउरुवेउ॥ उमपइसुपूरेइसुवरभंसय॥
 वभउभउउंरुमिवमदिउधेदम॥ उमलिइसुउंरीणउभिदुरेपूरेदति
 उमपइसुगठेयंगठमयमिपिपुण॥ पदिरीमइउपेगठमयभिउ
 उदउमपइयमदिउंदिउंरीणवकल्येउ॥ मटवउमरीणयभेधं
 दिपिउंयष॥ ॥ उतिइमभरुपेपुममःपएल॥ ॥ कुरुउवम॥ ॥

श्री.
वृ. म.

भृमजिउलपुते॥मजिउलपुतेमभृमिवयेगमिपिप्रणभवेधभेवकुत
कंयेउदभेमणेकिण॥मग्रीधेभनिलयउंविमउथरमसुरः॥उदुडिगेधकु
उंभप॥पभैमयरउ॥मभुदुउंभैविपरंमेदेमेदेसुरैगुद॥सुमैकुतभमभ
मपैसुमदभृमभुवः॥उउंहुंमपदंमउहुवदमरउरभा॥मइविंसतिउउ
विमहाउविउवेगुद॥गयहीउठवेउंभुभदमेवडिनिभउभा॥उवेवदिभउं
विमैकमयगममत्रिभ॥मिभुजिभभुवंभवंवदभुजदगेमभा॥उभुदु
भचमवदुमिभुजिपरः॥भयभभैणगदुचंकुतभजंमरमभा॥भृीग

श्री.
वृ. भ.
१५

लौरेउभंभिसंकलिलंभंभमेकउः॥मिस्कुकुमेउरेकुउंदितीयेभभिव
द्वमभा॥पैउरेकुभभकुउंदितीयेभभिवद्वपमिस्कुकिभभभवउभभवे
धभउगेभितः॥प्रैयदुगचडिमभवेधंउभमेउरा॥वृजिउरुमुतेउभ
वृकुद्वद्वएकुभैउभरीएकुगभूउंउरुधंमरमरभा॥मर॥भमर॥
मकुउरंमिपिवदरा॥वद्वपद्वगभंलीरंमिस्कुकिभभएउकुभा॥उउंभं
भभिमभकुडिभुडीयेभभिवद्वप॥यवरीएकुगंरुद्वभृउंनैवमु
उमउउंभभिमंपुएयउवयवद्वगः॥उमवृंरुवेरुयंपरुधद्वडिं

॥उंरलंपद्वगकुभृरठिरलंप्रकीडिउभा॥

卷之六

॥ भूभापसत्तिउः ॥ मिश्रुकिमेउरेडेनमेउरेडेउयः ॥ भूभुमेभमिभंप्रयु
 मेउरेडेभारुधेपमभा ॥ यमप्रुपुडेगपिहमिभुउसुवेगुउमभमचमपि
 लेमगीरेडेउयहभे ॥ पद्मइयंप्रुपुडेहचकिभापमंभुउभा ॥ वयवयय
 वउउपु ॥ ह्येप्रकीडिउः ॥ लिपुहृन'दयभचहृदृमलभभुवः ॥ ३
 निभंप्रगिउंमचंउएडेनएगयकिः ॥ उहृपुभपिलंपि'लेभउंय'वमु
 नदिगउंउमचंवेहृपिउंमचगमिनिः ॥ यषभदेमयेमचंगमिनिहृपिउंल
 गउ ॥ ५ ॥ यिभदेरिलीहृहृपिउंमेदभाइर ॥ मिश्रुकिमेउरेडेयवदिभ

श्री.
 वृ. म.
 १०

दंमिपिय एव उत भूद्वर मज्जिद वस्त्रि क्किमो मिउ **अधुमेर उभमेर व**
द्विज मभुमभुव उ **यष दसुग कपे** ग क्व भं व भ भूद भ **उभे क्व र ग**
द ग भ च रु त्व म भ उ ले श्रे म अ इ प गी धे डे व भ रु पिर भं य उ **क लिल स्रे भ**
म डी ले भं भ भि भ्र य म डू ए **प क विं स उिये प्पे उ र ग क स्र भ द रु य उ** उ धं
र ए म द प्पे रं र कं उ द्वि म भु व भ **म म् क र दि उं की भं व द्रु ग्रि प रि व लि**
उ मा **र ग क ल व भं प्र णं रु त्व क ह ले ल म् भ द भ** **अ दं ए उ क्क संप्र इ किं भ य**
द धु उं रु उ भ **प वं भ भि उ भ र भु मि क्क ह्म मि उ भु म** **र व भं भ भि भं भ**

श्री.
वृ. म.
११

ये भं प्र पु प्र भ वे सु द ॥ अ उ कृ तं ड ये के मि द्र कृ त भ व भ ति म भ न प उ कि न
भु वे उ प प उ कि न भु ये ॥ म ज रं म स भे भ भि भ द उ रि ड मि उ ये उ ॥ ऐ र दं भ
उ रि ध भि ये रि द्वा र कृ य र क उ ॥ उ म दं उ कृ रि ध भि ये र कृ ये र ए य उ म
उ रि द्वा मे ध लि य रि वे क पि उ रि ड ॥ वे मे ध भ च म भु प प र ल भ भू डी ध
म उ रि भ वे क रि ध भि य वे क रि वि ण र उ ॥ प वं भ धि डु म र भू मि कृ डु
भ वं न उ मा भ द क यं ड ग कृ भू प्र भ वं ड मि पि प्र ण म ड उ कृ य की उ रं भ ड म
दि णि उ सु द ॥ द भु प म म गी रे ॥ भु के र मि पि व र ॥ रि म द प कृ ग कृ भू य

विष्णुगभापे एतमा॥ उरुभा उरुचं प्रभुभग॥ त्रिकर्गो मरभा॥ विमदभुभिं सु
रुभा उरुभुदकरकभा॥ विजहयति उरुभो विभुं हं उरुभुवेम॥ नउभु
भु उरुवद्विउ मरुभु उरुभु भेदिउं भयय वरुभु मिभु वल भं ह्यय॥
उरुभु उरुभु उरुभु ये नि एनं मिपि प्रण॥ उरुभु उरुभु प्रय उरुभु एउय मभुभु ग
उरुभु उरुभु मरुभु ये ये मये एलः॥॥॥ भुभु उरुभु म॥॥॥ नकि द्विगपि उं मेवय
मये न वण गिउभा॥ उरुभु पिभं मये मेव उरुभु उरुभु महु यउ॥॥॥ श्रीगं मरुभु उरु
भु॥॥॥ मरुभु उरुभु नं प्रभुभु उरुभु भगो मरभा॥ यउय मे मिउं प्रभुभु उरुभु

इममिडे॥ पल्लठेडिकपेइमिमिक्कहूरिडितमयषरेणउमसु
 मसुरंममयधमे॥ धइमदगइपुमपडमउदितमममंमभउरउ
 मममेकंडरिहलतंरमंमभइपे॥ मिक्कहूरुमउंउतमा॥ परा
 भवंउंवेरमसुक्कठवडभे॥ मभिरिणंउंउंएयंतउमभिरिपूवउंउरमा
 जंतउंमंमंमभेमेषएयउंमेमभिरिउषमभमभकुंमएयउं॥ सु
 कूरिभचलिणउंउंमेदमभभमा॥ उंभंमउं॥ उभिरमउं॥ उंउंय
 पवंदिपुषमंउंवसुगीरेडिकं॥ मा॥ मरउंउंप्रचइयषठवउंउं

श्री.
 वृ. म.
 १३

रुं पिडं उरु संपं पउवपै रिकी डिउः॥ वि अइ सुरु महु उम मं मे व सु मं वि
दः॥ मरी पय अहे उ महु महु रुं गुः॥ पउम मु भिउ मे दे मचे उ गु
रु कः॥ उ मं महु रु वे मे ध कल र मि पि व द र वि प द य प ऊ नं न दि
महु रु वे सु द॥ व य रु वे गु ये म ये व ने ये प ने उ व रु उ म प र ये ती उ म म
उ म च प उ य॥ य उ उ प उ प्र व ये म मं पि य विल गु द भि उ ये मे ह मि ह पि
रु व ऊ वि पि य ए॥ उ न म उ दि उ ने व प उ व मु दि उ गु द म म उ ति म वे प सु
रु म उ म उ मि र म॥ म उ ग रु गु म चं उ रु उ मे द मं भि उः॥ उ म रु व रु ली

यत्तेभवेतेणउवभूम॥उभ्रैभचमवइभकडभैवकर॥यवमि
 भदभ्रलिभ्रदयडविषभ्रापउषभचलिहुडविडेएयडविभचम॥
 उडिब्रभभ्ररेमभुममपैएलः॥॥॥भ्रमउवम॥॥॥पडुइडिभ्रय
 यवउसंभविभुरभा
 भवेभमेवणऊरेरऊंउप्रभंठरे॥भउभंभंभभमिहुभंभ्रुंभचमेवि
 उभ्रभहठरेइइपलइडिंमभरड॥भंभंयेमीमउउभ्रमेउकेववम
 पयप्रीइठरेइऊंइगुंउंमिपिषण॥पिउभ्रउपलउभ्रमेभ्ररऊभम

श्री
 व. म.
 १७

सिउभा रजः दिभमं स्नेधं उद्धु डिमुधः ॥ वभभमर्पै षड् नउठे
विमउरः नकै सुकं पिउं भमं एय भभिभ हउगेधम ॥ वभभदगप नउं
दिउं हं एयउपन ॥ उमउं वै हभ ह्यं भिगउं उधनैवम ॥ रजं पिउं उध स्नेधं
उरं भह उधः ॥ रभै हव निमै उ निरभ ठव उरैवदि ॥ भवेध भवण ऊनं
दिउं वस्नेधं रउरभा ॥ यभ्र हू भै हव भवेउ मउधं निरउरभा ॥ भह यं उध
॥ वमउर व हू हउगे भिउ ॥ मभ्री नउं मउं शीलिध हू भिगणिक निम ॥
उउं शीलिध मेव दिह्यं मउं भधु णिकं उध ॥ मभ्रै उं गम मउं भिगं मभु

श्री.
वृ. भ.
३.

मउभा॥ उ॥ सुगजवदभचमेदभ॥ क॥ ह॥ मं॥ भि॥ उ॥॥ ग॥ ज्ञी॥ रं॥ म॥ उं॥ व॥ उ॥ म॥
ध॥ दि॥ मे॥ उ॥ रं॥ उ॥ व॥ प्र॥ प॥ न॥ ग॥ ज्ञ॥ य॥ ये॥ छ॥ ये॥ क॥ दं॥ मे॥ द॥ भ॥ प॥ ने॥॥ अ॥ य॥ ए॥ ल॥ म॥ भ॥ ह॥
यं॥ ये॥ उ॥ मं॥ क॥ य॥ प॥ ल॥ ग॥ भा॥॥ भं॥ मं॥ उ॥ प॥ द॥ उ॥ उ॥ भु॥ म॥ ह॥ म॥ क॥ ग॥॥ रि॥ ने॥॥ म॥ उ॥ म॥ ह॥
क॥ वे॥ उ॥ ज्ञं॥ उ॥ ये॥ भ॥ यं॥ म॥ भ॥ वे॥ उ॥॥ अ॥ मि॥ उ॥ उ॥ क॥ वे॥ छ॥ भिः॥ अ॥ य॥ अ॥ इ॥ भु॥ य॥ डि॥ उ॥
उ॥ म॥ य॥ उ॥ म॥ यं॥ म॥ चं॥ म॥ गी॥ रं॥ भ॥ र॥ ध॥ क॥ भा॥॥ सु॥ म॥ पु॥ डि॥ म॥ द॥ भ॥ रि॥ र॥ की॥ र॥ ध॥
की॥ डि॥ उ॥ म॥॥ उ॥ भु॥ व॥ य॥ व॥ द॥ भ॥ च॥ भ॥ च॥ भु॥ मे॥ द॥ म॥ सु॥ ठ॥॥ उ॥ भं॥ म॥ ए॥ प॥ प॥
मि॥ द॥ ल॥ अ॥ भ॥ उ॥ क॥ व॥ उ॥ म॥ क॥ व॥ रि॥ भ॥ च॥ लि॥ य॥ व॥ प्र॥ लि॥ क॥ व॥ रि॥ लि॥॥ म॥ भ॥ म॥

庚子年

श्री.
ब्र. म.
५०

भित्तभा॥ व॥ वेस्मरेभयेवेममिइयभृमतेपं'देभंप्रऊचीउप्रइदंम
दिउदिन॥ सुएवरतिलेऊऊत्रभैजवैःभूणेसुठे॥ नतेपं'उभिप्रभिव
ऊउंभैलीवभंएके॥ उष्टुउतदिउवइप्र॥ प'नइगीपम॥ नतेपं'ऊयउ
दवभणीवंवइमभूरभाएइयऊउतंवइप्र॥ प'नवभउंऊवे॥ उद
भनः॥ उंवइवभणगेवभंभित्तभा॥ भूरभउतंवइप्र॥ योउद॥ प्रति॥
प्रयभूरइप्रतिमुएवरनिरऊक॥ व'इगीउभपभीउविणिमभूरकम
॥ उइउवभुभुपैलेक॥ सुउतेइइउपिल॥ व'इवेमिऊवेमेव'व'इवेमभृ

भपुतः॥ अतवेमीतषाईवभषभुइतुगेभितुप्रयगंमजुन॥ इंपधुगं
 भिपंतषा॥ वर॥ भीतषागएकेमगंभितुभगरभा॥ पतेमतेमवेकेमिड
 मृत्तयउरनिम॥ भवेतिभुतिवद्वएपरमग्रेएदेतिगः॥ भवंभवेषद
 उषप्रकएभंभितुंगुदप्रल्लनत्रैवपमृतिपमृतिह्लनमद्वध॥ ॥ ॥ ॥
 उतिवद्वभक्तरेवद्ववेमविनारिल्लयेनभैकेनविमपेएलः॥ ॥ ॥ ॥
 श्रीभक्तउवम॥ ॥ ॥ वद्ववेमउषागंमद्वभूमद्वुतंभयप्रपनमृ
 भितुभितुवद्वपगेभितुभा॥ ॥ ॥ श्रीरंभुगउरम॥ ॥ ॥ भवंभवंभयाए

श्री
 वृभ
 ३९

येन विष्णु उभये हृति ह्यनं निवृत्ते ॥ येषे नृप प्रसीधे यो येष ह्ये नृप उभये
ले येष वत्त दत्ते कहे महे येन यत्ते गुद ॥ येष मरीर वृद्धे ये प्रह्वं म ॥ येष
ए मद्र प्रनिरि नरे नमत्तं यच्च नृतिवै ॥ उन्नमं वृद्ध मिह ददच्च नृति म
नृति म ॥ न किं हि मपि उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥ नृत्त एन नृति उन्नम ॥
नृत्त एन वल्लित ॥ प्रकटं एन मद्र उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥ उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥
नृत्त एन वल्लित ॥ प्रकटं एन मद्र उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥ उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥
नृत्त एन वल्लित ॥ प्रकटं एन मद्र उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥ उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥
नृत्त एन वल्लित ॥ प्रकटं एन मद्र उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥ उन्नम्य भूतं नृद मिभित्त म ॥

श्री.
वृ. म.
५५

उधं हृमिभिः उं वृद्ध गुमवृद्ध उल्लुते गुद्ध पमेमगभियं यमिउधुवमृद्ध
मृद्ध वृद्ध नमिद्ध उकल्लुके एमउगपिमृद्ध पुमृद्ध मवेमृद्ध मृद्ध मउं मृद्ध मृद्ध
वमृद्ध यमृद्ध मं विमिद्ध उद्ध पमृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध
दिउमृद्ध उं मृद्ध मं मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध
मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध
मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध
मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध
मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध मृद्ध

श्री.
वृ. म.
३५

.....विणिरगुद॥ पिदिउंउंउविह्लेयभट्टष'रमएवम॥८॥

अनेनविणिरवदुदिंभतिपमवेयमि॥ भभउयेसुनभ'वंभेदुडडुहि

पीयउ॥ भिह्लेउभदुउंभिदिगधुभिदिमभतिउ॥ भभ'उरंउभिह्लेनं

कंविरेधेभिमुंजिपग॥ कभूगंविमिउंह्लंह्लेयंविह्लनभभिउभा॥ व

दुह्ल'मव'उभुपमेग'उभुककष॥ प'ह्लंमेवभचेध'भ'मिकुउ'प'ए

प'ए॥ भ'पव'प'ह्लेउयभ'उभ'क'ह्ले'पि'क'क'व'ग॥ वे'र'य'ह्ले'प'प'म'वे'दिं

भ'म'व'दु'ह्ले'उ'भ'॥ क'र'वी'ये'प'भ'चे'प'प'प'मु'द'ति'भ'ए'क'॥ अ'दु'प'द'प'क'

श्री.
ब्र. म.
३०

यस्य कुत नं ह्यमिभं भिउभा॥ उंयसुंद त्रियेगिहेंद ह्यमिहु त्रिभिभिष
पुत्रपनेमये उभि त्रिभनं मलयंगतः॥ पिव त्रिऊपिक उंयसुंद ह्यमि
पिपुण॥ गतिरेषादिमै उंयं उंयं उंल कतिदि॥ एणीर ह्यं भउंयं यस्य कुत
नं ह्यमिभं भिउभा॥ पुत्रपनप्रवदेनर विमिह पिव त्रिदि॥ मयैरिह
मीहादिक उंयं मैदाक सुमः
उपिव त्रियेन भिहु उंरिपिर कैर नउ॥ कैर वै उंर विपिर भभृष्ट एव
नउ पिव त्रिभमिगं उंउदीगर मूक ए सुद॥ भभिहु मपक म्मेदिसेध के

श्री.
वृ. म.
३१

भेउभ॥यइयमेमिउं५मेनिभ्रमिगुं५मभुदभा॥यभमजिपैरअइ
अइऊयमिरेऊयभंमिउभचकुउषणगसुकुंययपिलभा॥इइमि
भुभपरउंऊउभजंमगमगभा॥मभउंभणउंमजिमिइइइइपिउगुद॥
रपरसुजिगभ्रकंभउंभउंसिपिप्रण॥रयंपिउभदंरिइरवीइमल
मउंइइमेवउभवेभइइइइभदइय॥इयेइयेइइइयउंइयअयेपि
यउिमरपरमजिमंदरेठवगीदकमम॥मजिउलपुउंभकेय
इवउिनी॥निहेमिउउभअइमिवभउभभइव॥ययइउमिमंरिमे